भारतीय उर्वरक संघ

पश्चिमी क्षेत्र

3, नई कम्युनिटी सोसाइटी, 22 9, रोडिंग रोड, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई - 400 050

टेली: (022) - 26518162 टेलीफैक्स: 26416174 ई-मेल: wr@faidelhi.org faiwrmumbai@vsnl.net

एफएआई - पश्चिमी क्षेत्र /5.6/सीपीईपी

दिसम्बर.02 ' 2013

भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई), पश्चिमी क्षेत्र ने घोषणा की "महाधन पुरस्कार 2012-13" के विजेता।

पुणे 2 दिसम्बर: भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) पश्चिमी क्षेत्र ने बुधवार, 27 नवंबर 2013 को पुणे होटल प्राइड, पुणे में आयोजित अपनी वार्षिक आम बैठक के दौरान '2012-13 के लिए महाधन पुरस्कार' के विजेताओं की घोषणा की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आरजी राजन, सह अध्यक्ष, एफएआई - नई दिल्ली और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - आरसीएफ ने की थी।

दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएफपीसीएल) और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएसएफसी) ने 'महाधन पुरस्कार' और 51,000रु नकद पुरस्कार फसल उत्पादकता सुधार में उत्कृष्टता के लिए साझा किया। यह पुरस्कार श्री विजयराव पाटिल, एसोसिएट्स उपाध्यक्ष,डीएफपीसीएल द्वारा प्राप्त किया गया था।कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (आईएफएफसीओ) और राष्ट्रीय केमिकल्स कंपनी लिमिटेड (आरसीएफ) ने 'उर्वरक विस्तार सेवाओं में उत्कृष्टता' और 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार के लिए पुरस्कार साझा किया। आरसीएफ को 'उर्वरक विस्तार सेवाओं में उत्कृष्टता' में सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

एफएआई - पश्चिमी क्षेत्र ने उद्योग के सदस्यों को जिलावार और फसल-वार वैज्ञानिक प्रदर्शन आवंटित किए हैं खरीफ और रबी 2012-13 के दौरान महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा के पश्चिमी क्षेत्र के पांच राज्यों में कंपनियों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर, पुरस्कार संबंधित श्रेणियों में अंतिम रूप दिए गए थे।

पुरस्कार विजेताओं का चयन डॉ. एसएस मगर, पूर्व-कुलपति, डॉ बाबासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली और भारत के पूर्व अध्यक्ष कृषि विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली, डॉ आर.डी. मुलाय, कृषि निदेशक महाराष्ट्र और श्री डी .डी खोस, क्षेत्रीय कार्यकारी एफएआई- पश्चिम क्षेत्र की एक समिति द्वारा चुने गए थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री एस सी मेहता, पूर्व अध्यक्ष, एफएआई (पश्चिम क्षेत्र) और सीएमडी - डीएफपीसीएल ने कहा, "उर्वरक निर्माताओं को अल्पावधि पर लंबे समय तक नहीं सोचना चाहिए, लेकिन किसान को फोकस के केंद्र के रूप में रखना चाहिए। उर्वरक कंपनियों को कुल उत्पादक सामग्री बनाम उत्पादकता (लागत लाभ अनुपात) की बारीकी से निगरानी करनी चाहिए ताकि किसान लंबे समय तक लाभ उठा सकें "। श्री राजन ने लंबित उर्वरक सब्सिडी, एनबीएस नीति में संशोधन, यूरिया की कीमतों, एकीकृत पोषक प्रबंधन और उर्वरक आपूर्ति के मौजूदा मुद्दों पर प्रकाश डाला।

उर्वरक विपणन कंपनियों के सहयोग से कृषि समुदायों के बीच 'एकीकृत पोषक प्रबंधन' पर जागरूकता बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने के लिए श्री एस सी मेहता द्वारा महाधन पुरस्कारों को शुरू में 2008-09 में प्रचारित और स्थापित किया गया था । पुरस्कार संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कंपनियों को दिए जाते हैं।

श्री आर. जी. राजन, श्री एस. सी. मेहता, पूर्व अध्यक्ष, एफएआई (पश्चिमी क्षेत्र) और सीएमडी - डीएफपीसीएल, श्री जी. आर. गोव्स, अध्यक्ष -कृषि व्यवसाय, श्री अरविंद कुलकर्णी,एसोसिएट्स उपाध्यक्ष - उर्वरक (डीएफपीसीएल), श्री अशोक घासघेस, निदेशक -विपणन (आरसीएफ), श्री बी. के. किनेकर, सीएमडी - विपणन, जुआरी एग्रो केमिकल्स लिमिटेड (जेएसीएल) और श्री एस. ए. पटेल,बैठक के लिए सलाहकार, विपणन (जीएसएफसी) उपस्थित थे।

श्री डी. डी. खोस ने पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों में खरीफ 2013 के उर्वरक और कृषि परिदृश्य की समीक्षा की और 2013 की शेष अवधि के लिए संभावनाओं पर चर्चा की गई ।

एसोसिएशन के पश्चिमी क्षेत्र में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा जैसे कृषि प्रगतिशील राज्य शामिल हैं।

श्री बुरुजवले और एफएआई (पश्चिमी क्षेत्र) के श्री शेटे और श्री सतीश नर्तम और डीएफपीसीएल के श्री संजय बिराजदार ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास किए।

****

बायें से दायें : अरविंद कुलकर्णी, एवीपी., डीएफपीसीएल, बी .के. किनेकर, सीएमडी विपणन, जेएसीएल, विजयराव पाटिल, एवीपी, डीएफपीसीएल, डी.डी .खोस , क्षेत्रीय कार्यकारी एफएआई-पश्चिम क्षेत्र , आर .जी. राजन, सह अध्यक्ष, एफएआई - नई दिल्ली और अध्यक्ष एवं एमडी - आरसीएफ, एस .सी.मेहता, पूर्व अध्यक्ष, एफएआई (पश्चिम क्षेत्र) और सीएमडी - डीएफपीसीएल, डॉ आर डी मुलाय,पूर्व कृषि निदेशक, महाराष्ट्र।

***